NATIONAL CONFERENCE
ON
EMPLOYMENT SKILLS FOR SUSTAINABLE LIVELIHOODS

15th -16th March 2019

National Career Service
सही अवसर, सही समय
Right Opportunities, Right Time

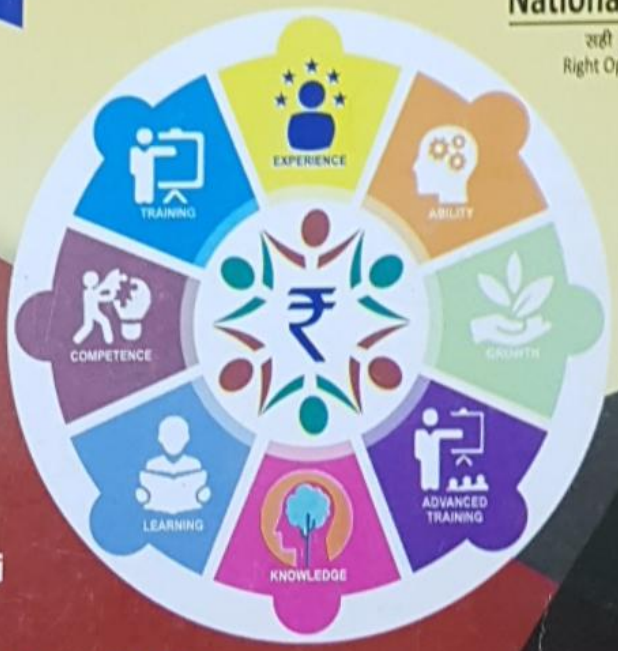

SOUVENIR

Sponsored by:
University Grants Commission
MHRD, Govt. of India, New Delhi

Organized by:

S.B.S. GOVT. P.G. COLLEGE
DEEN DAYAL UPADHYAY KAUSHAL KENDRA

Re-accredited by NAAC 'B' Grade (2.86) Affiliated to Kumaun University, Nainital

Rudrapur (U.S. Nagar), Uttarakhand -263153
Mob: 07379727999, 6396007473
E-mail: ddukksbs@gmail.com
singhdraharnam@gmail.com
Website: www.ddukksbs.in
www.gpgcrudrapur.in

In Industrial Association with KGCCI, N.N.J. ITI & ISD

List of Abstract

	Abstract Title
136.	**Role Of Higher Education Institutions With Aligning Strategy To Enhancing Youth Skills Can Help To Attained Sustainable Development Goals** Dr. Monika Pathak
137.	**New India Through Employment Skills** Dr. Pranita Nand
138.	**Innovation And Entrepreneurship** Manoj Kumar Mishra, Dr. Abhisek Kumar Tripath
139.	**Issues Faced By Self-help Group In Enhancement Of Livelihood** Prakash Sao
140.	**Persussion Of Women Discrimination** Prof. Yukti Varshney
141.	**Rural Entrepreneurship** Dr Nirmala Joshi
142.	कौशलक्रान्ति : प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना डा0 भगवतीदेवी, श्रीमती मंजू जोशी
143.	उच्चशिक्षा की चुनौतियाँ और मुद्दे–21वीं सदी डा0 बामेश्वर प्रसाद सिन्हा, डा0 विकास रंजन कुमार
144.	सामाजिक समावेशिता के लिए कौशल विकास श्रद्धा मिश्रा
145.	मतदाताओं की शिक्षा और जागरूकता : एक मजबूत लोकतांत्रिक भारत का आधार जय प्रकाश
146.	मौर्य, शुंग एवं सात वाहन काल में यक्ष, किन्नर, और दिक्पाल पूजन– एक ऐतिहासिक विवेचना डा0 अश्विनी कुमार
147.	भारत की गरीबी हटाने में कौशल विकास की अहम भूमिका डॉ० तेजपाल सिंह, स्नेहलता दीक्षित
148.	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का ग्रामीण रोजगार में भूमिका का अध्ययन डा0 रमा अरोरा, मनप्रीत कौर
149.	कौशल विकास और युवाओं में जागरूकता का स्तर डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ अंचलेश कुमार, डॉ. दीपमाला
150.	सुक्ष्म वित्त एंव वित्तीय समावेशन की संभावनाएं डॉ0 सुनील कुमार मौर्य, डॉ0 नरेश कुमार
151.	ज्ञान और सत्ता विमर्श तथा युवाओं के लिए सतत रोजगार की संभावनाएं डॉ. राजेश कुमार सिंह
152.	भारत के ग्रामीण विकास में इन्दिरा आवास योजना की भूमिका का अध्ययन नीतू
153.	सूचना एवं संप्रेशण तकनीक का ज्ञान जीवन की आवश्यकता डा0 शशिबाला वर्मा
154.	युवाओं के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका डॉ0 प्रवीन जैन
155.	भारतीय शिक्षा पद्धति एवं कौशल विकास हितेन्द्र कुमार, राकेश कुमार

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का ग्रामीण रोजगार में भूमिका का अध्ययन

डा0 रमाअरोरा1, मनप्रीतकौर2
1एसोसिएटप्रोफेसर (अर्थशास्त्र)च0 ति0 कन्या स्ना0 महा0 काशीपुर (ऊ0 सि0 नगर), 2शोध छात्रा (अर्थशास्त्र)
च0 ति0 कन्या स्ना0 महा0 काशीपुर (ऊ0 सि0 नगर)

शोध सारांश

भारत एक विकासशील एवं ग्रामीण देश है। भारत की अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है तथा गाँवों में निवास करने वाली जनसंख्या को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जैसे– निर्धनता, अशिक्षा, कौशल एवं स्वास्थ्य देखभाल की कमी तथा बेरोजगारी आदि। इन सभी समस्याओं के समाधान हेतु सरकार द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रकार का प्रयास किए गए हैं। विशेष रुप से निर्धनता एवं बेरोजगारी में कमी हेतु रोजगार सृजन करने वाली योजनाओं को प्रभावी उपकरण बनाया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा रोजगारपरक एवं कल्याणकारी सुविधाओं को जुटाने वाली योजना "राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन" (NRLM) के नाम से चलायी गयी, जो "स्वर्णजयन्ती स्व–रोजगार योजना **(SGSY) का एक पुर्नगठित रुप है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सम्बन्ध में प्रमुख चुनौती ग्रामीण लोगों को सार्थक आजीविका उपलब्ध कराने के लिए उनकी क्षमता का उपयोग करने की है जिससे उन्हे निर्धनतासेबाहरलायाजासके।इसप्रक्रिया में पहला कदम ग्रामीणों को स्वयं के समूह बनाने हेतु प्रोत्साहित करना है जिन्हें "स्वयं–सहायता समूह" (SHG) कहा जाता है।

स्वयं–सहायता समूहों का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराना एवं उनकी भागीदारी बढ़ाना है ASHG महिलाओं का एक समूह होता है जिसमें स्वयं द्वारा बचायी गई धनराशि का प्रयोग वे सूक्ष्म इकाई उद्यम शुरु करने में करतीहैं ASHG के संगठित होने से ग्रामीण निर्धनों को आजीविका के लिए एक पहल मिल गई है जिससे बेरोजगारी के क्षेत्र में कमी आई है। प्रस्तुत शोध–पत्र मे स्वयं–सहायता समूहों से ग्रामीण रोजगार के विकास तथा आजीविका सृजन में महिलाओं के योगदान का अध्ययन किया गया है

कौशल विकास और युवाओं में जागरूकता का स्तर

डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ अंचलेश कुमार, डॉ. दीपमाला
समाजविज्ञान विभाग, सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर,उधम सिंह नगर, उत्तराखंड

शोध सारांश

भारत में विकास के बदलते परिदृश्य में किसी भी नौजवान के लिए सफलता प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वह किसी तरह से स्वयं को तकनीकी कला कौशल से समृद्ध करे । परंपरागत शिक्षा पद्धति से प्राप्त ज्ञान विद्यार्थी को डिग्री प्रदान करते हैं ,परंतु यह डिग्री विद्यार्थी के लिए किसी प्रतियोगी परीक्षा के हेतु न्यूनतम अर्हता से ज्यादा का महत्व नहीं रखती । इस परंपरागत पद्धति से प्राप्त ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए विद्यार्थी स्वयं को सीधे किसी आजीविका से यदा–कदा ही जोड़ पाता है । ऐसे में जरूरत इस बात की है कि विद्यार्थी किसी ऐसे व्यवहारिक या तकनीकी ज्ञान की तरफ प्रवृत्त हो जो उसे शिक्षा प्राप्ति के बाद तत्काल कोई रोजगार प्रदान कर सके । भारत सरकार ने इसको दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों तथा दीन दयाल उपाध्याय कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से इस तरह के पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है ।

प्रायः यह देखने में आया है कि सरकार की तमाम जनहितकारी योजनाएं और कार्यक्रम उचित प्रचार–प्रसार और जागरूकता के अभाव में अपने अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल रहती हैं । प्रस्तुत शोधपत्र में यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि कौशल विकास को लेकर भारत सरकार की तमाम परियोजनाओं के प्रति युवाओं में जागरुकता का स्तर क्या है । युवाओं के कौशल विकास के नाम पर चलायी जा रही परियोजनाएं युवाओं में कौशल विकास के लक्ष्य को अर्जित कर पा रहीं है या नहीं । इसके अंतर्गत हम यह भी देखने का प्रयास करेंगे कि क्या युवा इनके माध्यम से कौशल अर्जित कर रोजगार प्राप्त कर पा रहे हैं या नहीं ।